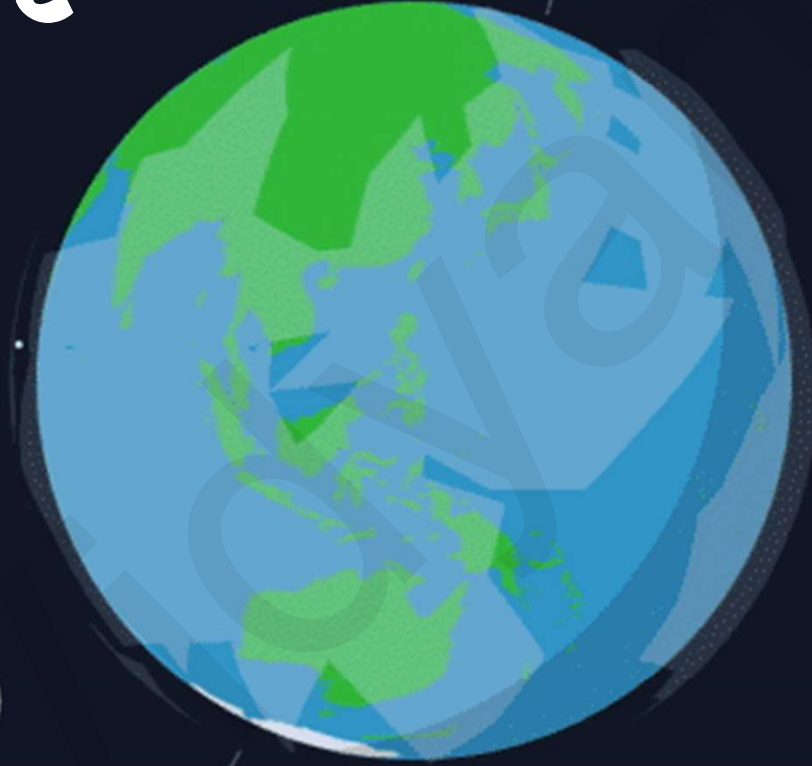


# पृथ्वी की गतियाँ

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)



पृथ्वी: हमारा आवास

अध्याय - 3

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

□ घूर्णन

□ परिक्रमण

□ ऋतु परिवर्तन

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)



<https://www.evidyarthi.in>

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

## □ घूर्णन

- पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना घूर्णन कहलाता है।
- पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा है, जो इसके कक्षीय सतह से 66.5 अंश का कोण बनाती है।
- वह समतल जो अक्ष के द्वारा बनाया जाता है, उसे कक्षीय समतल कहते हैं।

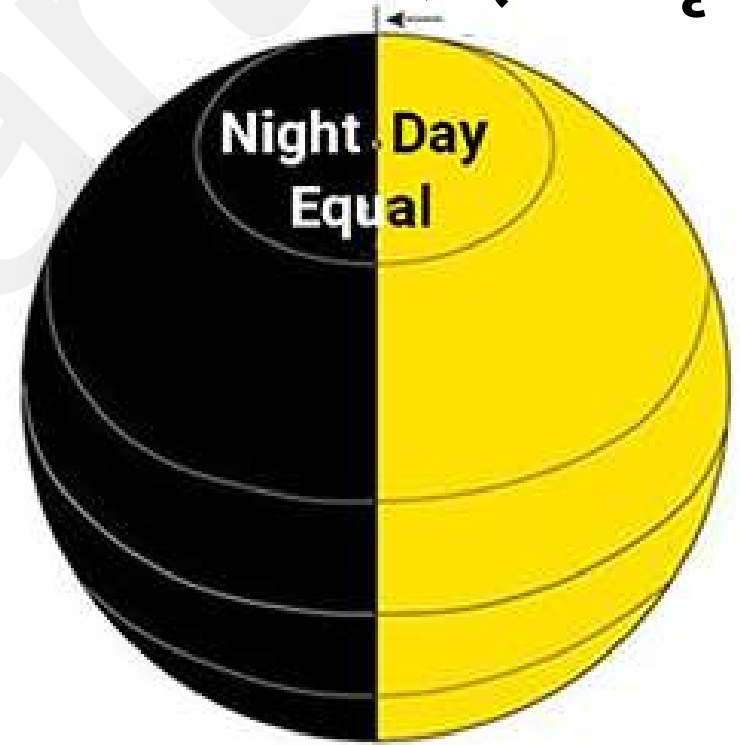


# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

## प्रदीप्ति वृत्त

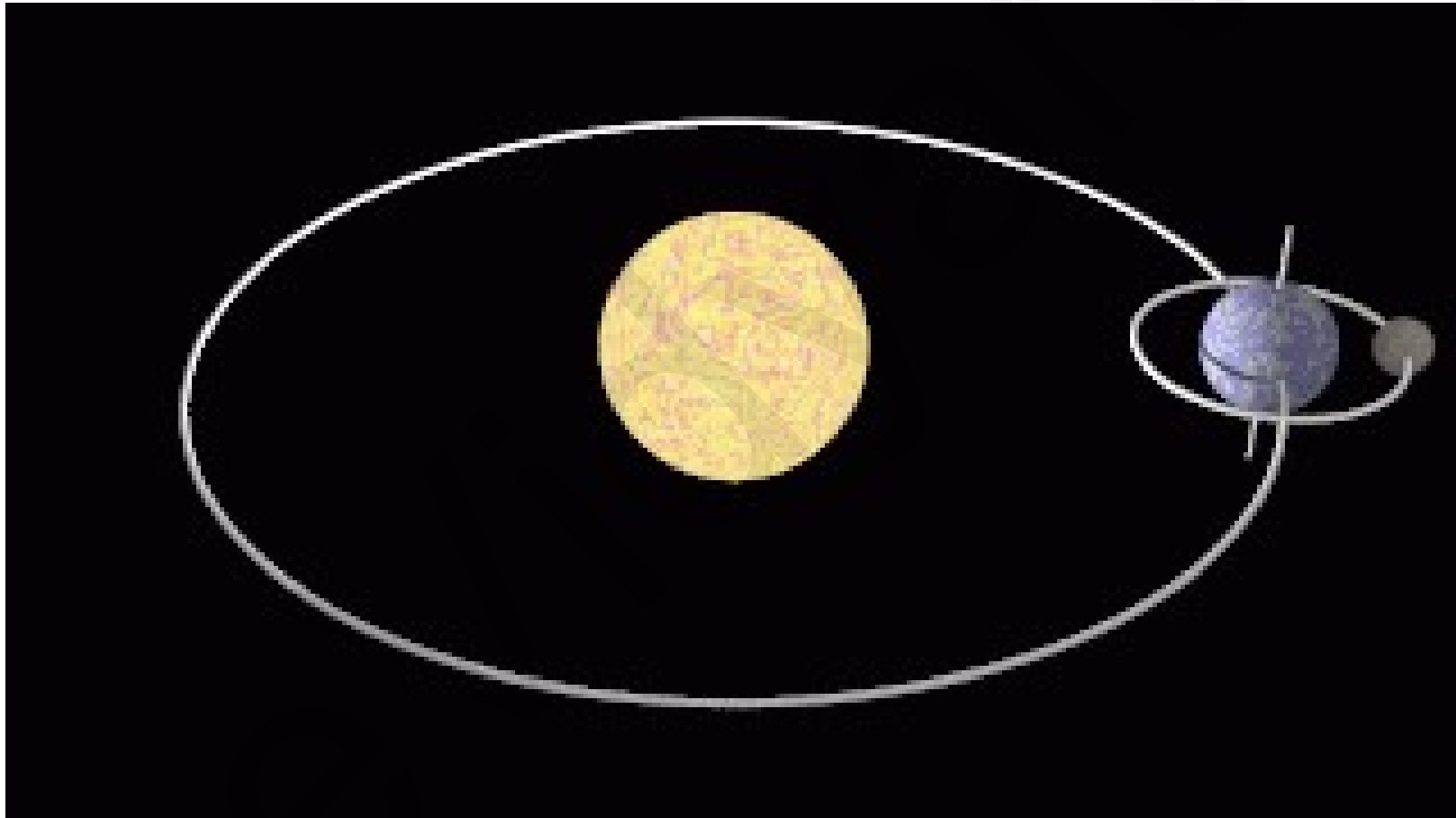
- ग्लोब पर वह वृत्त जो दिन तथा रात को विभाजित करता है उसे प्रदीप्ति वृत्त कहते हैं।
- पृथ्वी अपने अक्ष पर 23 घंटा, 56 मिनट और 4 सेकण्ड में अपनी अक्ष पर एक चक्कर पूरा करती है। इसी वजह से पृथ्वी पर दिन व रात होती है।



# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

## □ परिक्रमण

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)



# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

## □ परिक्रमण

- सूर्य के चारों ओर एक स्थिर कक्ष में पृथ्वी की गति को परिक्रमण कहते हैं।
- पृथ्वी एक वर्ष या 365 दिन और 6 घंटे में सूर्य का एक चक्कर लगाती है हम लोग एक वर्ष 365 दिन का मानते हैं तथा सुविधा के लिए 6 घंटे को इसमें नहीं जोड़ते हैं।

## CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

- चार वर्षों में प्रत्येक वर्ष के बचे हुए 6 घंटे मिलकर एक दिन यानी 24 घंटे के बराबर हो जाते हैं।
- अतिरिक्त दिन को फरवरी माह में जोड़ दिया जाता तथा लीप वर्ष में फरवरी 29 दिन की हो जाती है।

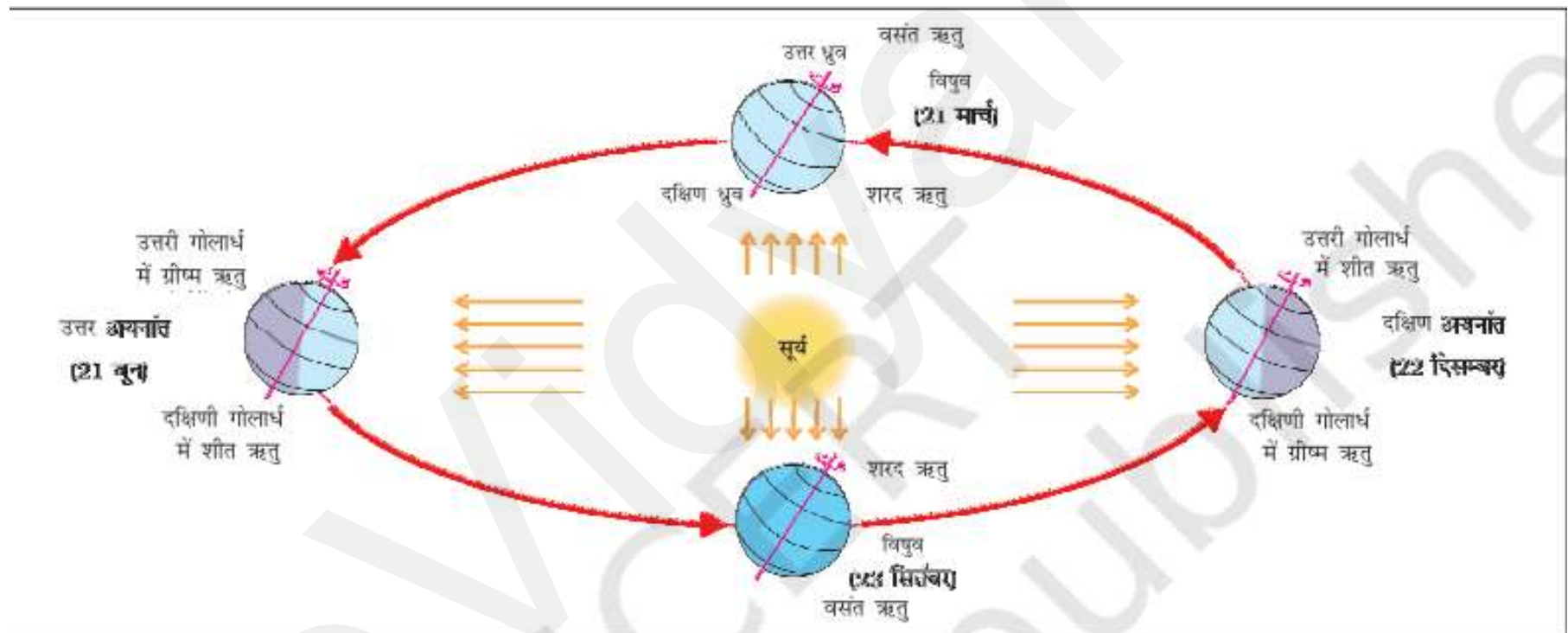




# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

## □ ऋतु परिवर्तन



<https://www.evidyarthi.in>

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

## □ ऋतु परिवर्तन

ऋतुओं में परिवर्तन सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की स्थिति में परिवर्तन के कारण होता है।

### a) 21 जून की स्थिति :

- 21 जून को उत्तरीय गोलार्ध में सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं।
- उत्तर ध्रुव सूर्य की तरफ झुका होता है तथा उत्तरीय ध्रुव रेखा के बाद वाले भागों पर लगभग 6 महीने तक लगातार दिन रहता है।

## CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

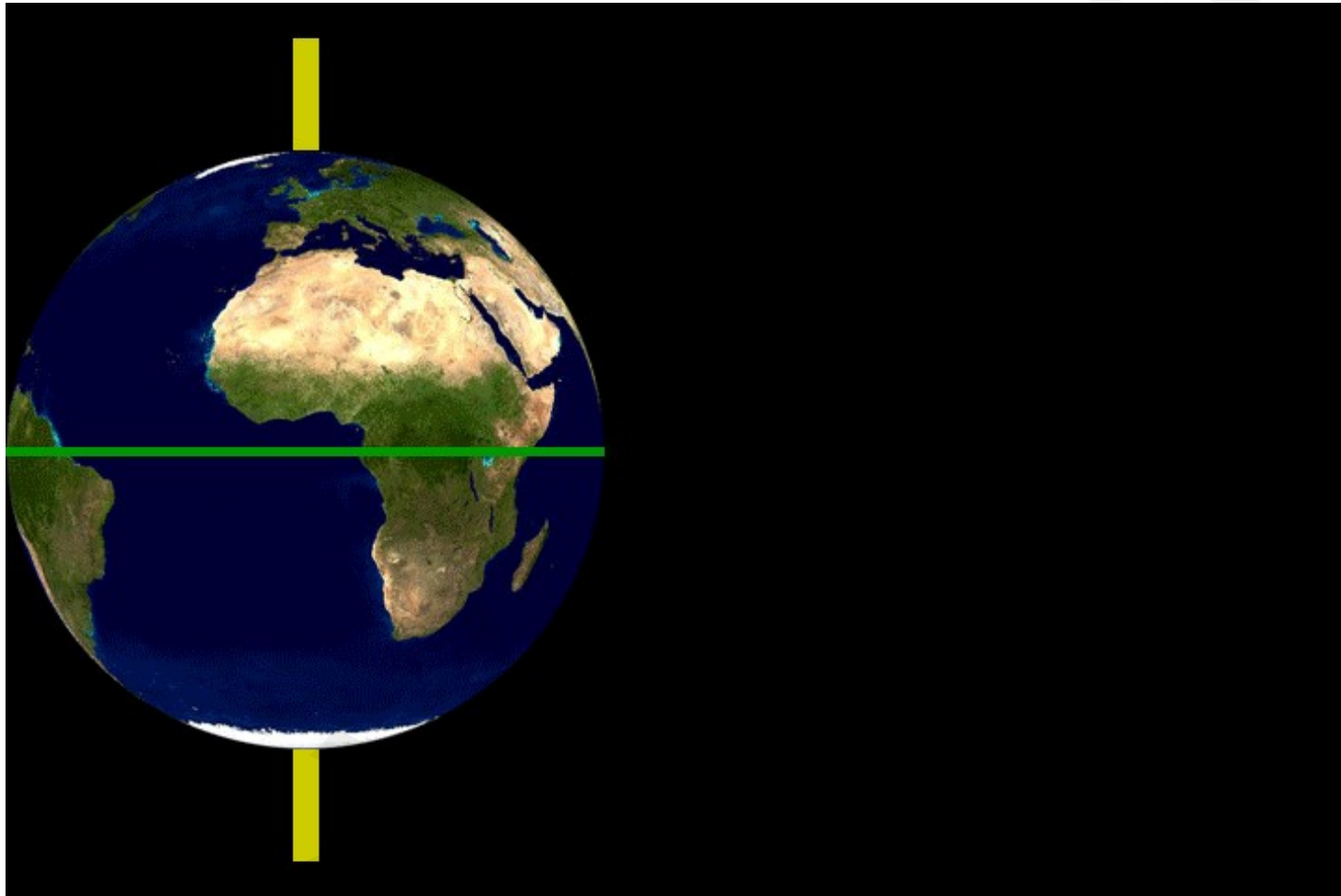
[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

• 21 जून को इन क्षेत्रों ( उत्तरीय ध्रुव ) में सबसे लम्बा दिन तथा सबसे छोटी रात होती है। पृथ्वी की इस अवस्था को उत्तर अयनांत कहते हैं। इसे ग्रीष्म अयनांत भी कहते हैं।

• वही दक्षिणी ध्रुव पर लगातार रात होती है।

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)



<https://www.evidyarthi.in>

## CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

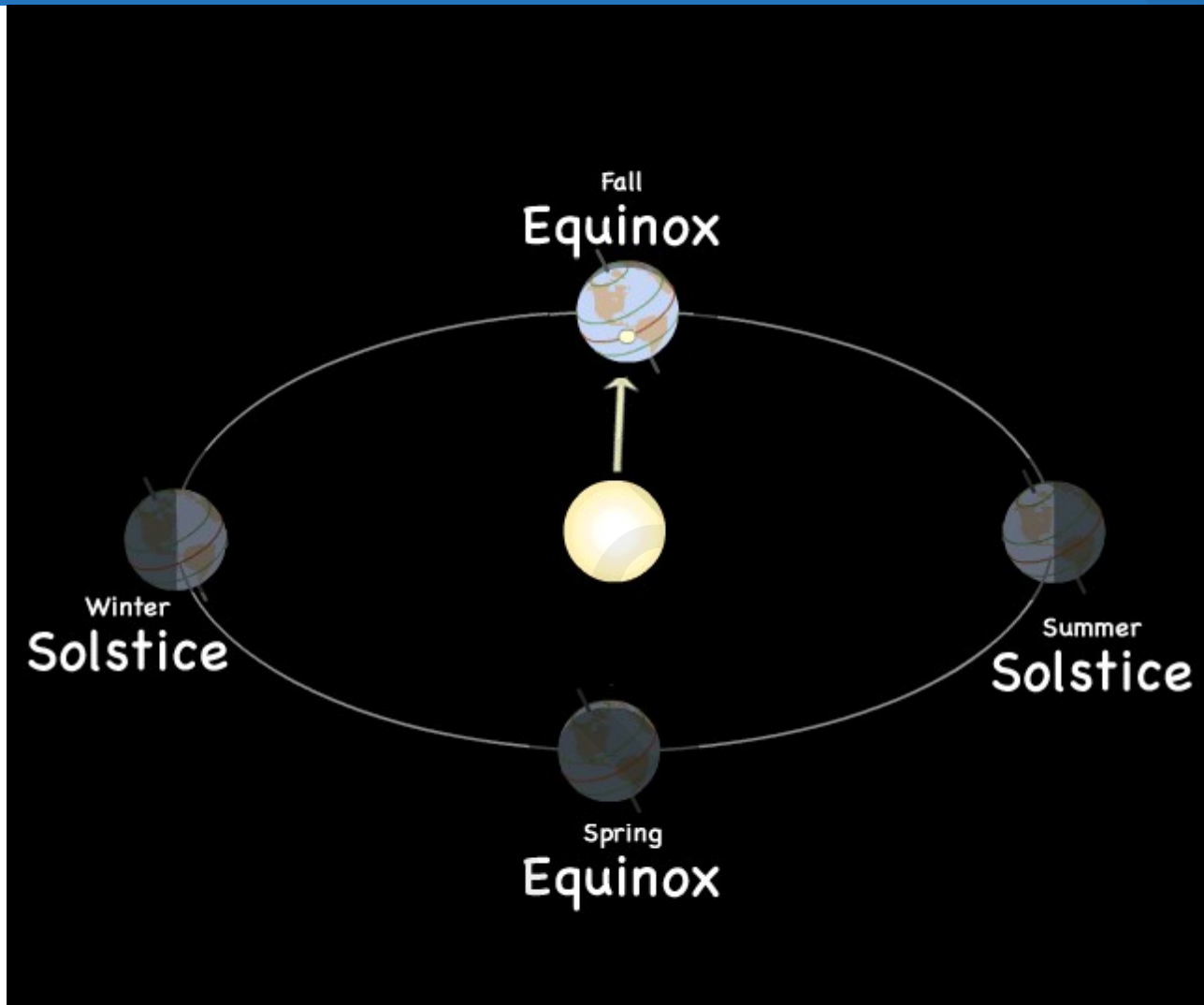
[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

### **b) 22 दिसंबर की स्थिति :**

- 22 दिसंबर को दक्षिण ध्रुव के सूर्य की ओर झुके होने के कारण मकर रेखा पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं। इसीलिए दक्षिणी गोलार्ध में लम्बे दिन तथा छोटी रातों वाली ग्रीष्म ऋतु होती है।
- पृथ्वी की इस अवस्था को दक्षिण अयनांत कहा जाता है।
- आस्ट्रेलिया में ग्रीष्म ऋतु में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है।

# CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)



<https://www.evidyarthi.in>

## CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

### c) 21 मार्च एवं 23 दिसंबर की स्थिति ( विषुव की स्थिति ):

• 21 मार्च एवं 23 दिसंबर को सूर्य की किरणें विषुवत वृत्त पर सीधी पड़ती हैं। इस अवस्था में कोई भी ध्रुव सूर्य की ओर नहीं झुका होता है, इसलिए पूरी पृथ्वी पर रात व दिन बराबर होते हैं। इसे विषुव कहा जाता है।

## CLASS VI CHAPTER 3 पृथ्वी की गतियाँ (NCERT)

[www.evidyarthi.in](http://www.evidyarthi.in)

- 23 सितम्बर को - उत्तरीय गोलार्ध - शरद ऋतु , जबकि दक्षिणी गोलार्ध में - बसंत ऋतु।
- 21 मार्च को - उत्तरीय गोलार्ध - बसंत ऋतु तथा दक्षिणी गोलार्ध - शरद ऋतु होती है।